

स्थानिक अधिकरण पुं. (तत्.) किसी विशेष स्थान पर रहने वाले अधिकारियों का समूह वर्ग।
local authority

स्थानिक कर पुं. (तत्.) किसी स्थान विशेष पर लगने वाला कर। local tax

स्थानिक परिषद स्त्री. (तत्.) किसी बस्ती आदि में रहने वालों के प्रतिनिधियों की वह सभा/परिषद जिस पर वहाँ के लोक-हित से संबंधित कुछ विशिष्ट सार्वजनिक कार्यों का दायित्व/भार हो।

स्थानिक स्वराज्य पुं. (तत्.) दे. स्थानिक स्वायत्त शासन।

स्थानिक स्वायत्त शासन पुं. (तत्.) 1. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में शहरों, गाँवों आदि के लोगों के द्वारा अपने यहाँ की जाने वाली शासन-व्यवस्था 2. उक्त शासन प्रणाली। local self-government

स्थानी वि. (तत्.) 1. स्थान या पद से युक्त 2. स्थायी 3. जिसका कोई एवजदार/एवजी हो।

स्थानीकरण पुं. (तत्.) 1. दूर तक फैले हुए कार्यों, व्यापारों आदि को सीमित/नियंत्रित करके एक स्थान पर सीमित करना 2. स्थान/क्षेत्र विशेष तक सीमित रखना।

स्थानीकृत वि. (तत्.) जिसका स्थानीकरण हुआ हो/किया गया हो।

स्थानीय वि. (तत्.) उस स्थान/नगर का, जिसके बारे में कोई उल्लेख हो।

स्थानीय मूल्य पुं. (तत्.) अर्थ. उपज वाले क्षेत्र में वस्तु का प्रचलित मूल्य जो बाजार मूल्य से कम होता है।

स्थानीय रंग पुं. (तत्.) कहानी-उपन्यास आदि में वर्णित देश-काल का सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि दृष्टियों से विस्तृत वर्णन एवं समकालीन घटनाओं से संबंधित वर्णन।

स्थानीय विज्ञापन पुं. (तत्.) पत्र-पत्रिका के प्रकाशन के नगर तक ही सीमित विज्ञापन।

स्थानीय स्वशासन पुं. (तत्.) दे. स्थानिक स्वायत्त शासन।

स्थाने क्रि.वि. (तत्.) 1. के स्थान पर 2. किसी व्यक्ति की ओर से/के स्थान पर अन्य प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर करने का अधिकार, कृते, वास्ते 3. वैसे ही, उसी प्रकार।

स्थानेश्वर पुं. (तत्.) 1. कुरुक्षेत्र का थानेश्वर नामक वह स्थान जो किसी समय एक प्रसिद्ध तीर्थ था 2. स्थानाध्यक्ष।

स्थापक वि. (तत्.) 1. स्थापना या स्थापित करने वाला, संस्थापक 2. मूर्ति की स्थापना/प्रतिष्ठा करने वाला दे. संस्थापक।

स्थापत्य पुं. (तत्.) 1. मकान आदि बनाने का कार्य, भवन-निर्माण कला, राजगिरी 2. भवन निर्माण की विद्या, वास्तुविज्ञान 3. अंतःपुर का रक्षक।

स्थापत्य-वेद पुं. (तत्.) चार उपवेदों में से एक जिसमें भवन निर्माण कला संबंधी विषय का वर्णन है।

स्थापन पुं. (तत्.) 1. स्थापित करने की क्रिया या भाव, जमाना, रखना या बैठाना 2. किसी मत/विचार/तर्क/सिद्धांत आदि का प्रतिपादन 3. किसी मंदिर/मूर्ति आदि को प्रतिष्ठित करने संबंधी क्रिया 4. किसी नई संस्था/कार्य आदि की शुरुआत, संस्थापन।

स्थापन निक्षेप पुं. (तत्.) अर्हत् की मूर्ति का पूजन (जैन)।

स्थापना स्त्री. (तत्.) ठीक तरह से बैठाना/रखना/जमाना, स्थापन, स्थापित करना स.क्रि. 1. किसी नई संस्था/कार्य आदि का प्रवर्तन करना, नया धंधा शुरू करना 2. किसी मूर्ति आदि को धर्मशास्त्रीय रीति से प्रतिष्ठित करना।

स्थापनिक वि. (तत्.) 1. स्थापन से संबंधित, स्थापन का 2. एकत्र/जमा किया हुआ।

स्थापनीय वि. (तत्.) स्थापित किए जाने योग्य, जिसका स्थापन हो सके या होने को हो।